IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, September 2025
Impact Factor: 7.67

जंगल सत्याग्रह और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की भूमिका

राहुल तिवारी
शोधार्थी, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)
डॉ. संजय कुमार मिश्र
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी), एस. आर. पी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय हनुमना मऊगंज (म.प्र.)

शोध सारांशः

देश के राष्ट्रीय आंदोलन में जंगल सत्याग्रह का विशेष योगदान है। जो ब्रिटिश वन नीतियों के विरोध में जनजातीय क्षेत्रों में सम्पन्न हुआ। मध्य भारत में नमक निर्माण एक महंगी प्रक्रिया भी इसलिए जंगल सत्याग्रह नमक सत्याग्रह के समानांतर विभिन्न वन क्षेत्रों में हुआ। इस आंदोलन में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवकों का उल्लेखनीय योगदान रहा जिन्होंने विदर्भ के विभिन्न क्षेत्रों में सत्याग्रह का आयोजन किया। सत्याग्रह में स्थानीय जनजातियों व किसानों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। जंगल सत्याग्रह में भाग लेने का निर्णय डॉ. हेडगेवार और अप्प जी जोशी द्वारा लिया गया था जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न स्वयं सेवकों के नेतृत्व में कई स्थानों पर जंगल सत्याग्रह सम्पन्न हुए।

मुख्य शब्दः जंगल सत्याग्रह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, स्वयं सेवक, जनजाति, डॉ. हेडगेवार, अप्पाजी जोशी विदर्भ।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-29045